GOVT. BRENNEN COLLEGE LIBRARY THALASSERY

K16P 0375

Reg. No. : .....

Name : .....

Second Semester M.A. Degree (Regular/Supplementary/Improvement) Examination, March 2016

(2014 Admn. Onwards)

HINDI LANGUAGE AND LITERATURE

HIN 2E01 : Women Writing in Hindi and Krishna Sobthi

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. **निर्देश : चार** प्रश्नों की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए। **(4×6=24)**

1) ''माँ बीबी, ये मामले मर्द की मूँछों से नहीं रब्बी जूतों से निबडते हैं। मेरी बात पल्ले बाँध ले। शैदाई तेरा या तो सयाले तक आएगा अपने ठिए पर, नहीं-तो दल्ला बन बेसवा के गली-कूचों में भटकेगा।''

2) ''मुरादों की इस सोहणी घडी खाली बादामों की दस गिरियों से न चलेगा। सहक-सहककर भतीजडा मिला है। धूम-धड़क्के से लो और टंकारों से दो। मैं ने कहा री फूफियो, कोटिप्पकोटि जूनियों बाद कुल-पूत घरों में उतरते हैं। हाँ।''

3) ''कहते हैं न, असली मुर्ग और असल मुग़ल दूर से पहचाने जाते हैं। बदोबदी कोई बाबर का पुत्र-पोतरा थोडे ही बन सकता है।''

4) ''इस पापी समाजी के मुख से आप क्या सुन रहे हैं। देवताओं पर लांछन लगाना ही क्या आर्य धर्म है ?''

5) ''हर बार कहीं पहूँच सकने की न मरनेवाली चाह और हर बार वीरान वापसी अपनी ओर। हर बार।''

P.T.O.

6) ''हर नई तारीख चौबीस घंटे के बाद पुरानी हो जाती है। हर दिन के व्यतीत हो जाने पर क्या हर तारीख पर रेखाएँ खींचती जाओगी कि वह पुरानी हो चुकी। पुरानी... पुरानी.... ऐ लड़की, मेरी बात सुन रही हो न।''

7) ''जानता था, उस कमरे में अब तुम नहीं हो - मैं हूँ, फिर भी जब-जब आँखे मूँदता लगता, एक दरवाज़े से तुम अन्दर आयी हो और दूसरे से बाहर चली गयी हो । खिडकी के काँच पर कई बार तुम्हारी परछई दीखी ।''

II. **निर्देश :** किन्हीं **चार** प्रश्नों के समीक्षात्मक उत्तर कम से कम **150** शब्दों में लिखिए । **(4×5=20)**

8) स्त्री विमर्श के उद्‌भव एवं विकास की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालिए ।

9) स्त्री लेखन की आवश्यकता पर अपना मत प्रकट कीजिए ।

10) आधुनिक हिंदी कविता में अभिव्यक्त नारी जीवन का परिचय दीजिए ।

11) महिला कथाकारों में चित्रामुदूगल का स्थान निर्धारित कीजिए ।

12) प्रभा खेतान के उपन्यासों में बदलते नारी स्वरूप की अभिव्यक्ति है - अपना विचार प्रकट कीजिए ।

13) मृदुला गर्ग की कहानी की संवेदना पर विचार कीजिए ।

14) उषा प्रियंवदा के उपन्यासों में नारी विमर्श ।

III. किन्हीं **तीन** प्रश्नों पर निबंध लिखिए । **(3×12=36)**

15) महिला लेखकों ने घर और समाज की चौखट पर दिन रात संघर्षशील स्त्री के विविध पक्षों पर अपनी अभिव्यक्ति की है । स्पष्ट कीजिए ।

16) कृष्णासोबती की कहानियों में नारी जीवन का यथार्थ चित्रण है - व्यक्त कीजिए ।

17) उपन्यास कला की दृष्टि से ज़िन्दगीनामा उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए ।

18) वर्तमान महिला लेखकों की कथन एवं शिल्पगत विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

19) जीवन की निरर्थकता और अस्तित्व बोध को रूपायित करने का प्रयास लेखिका ने 'सूरजमुखी अंधेरे' में किया हैं । अपना विचार व्यक्त कीजिए ।